Fraser South Early Psychosis Intervention Program

दवाईयाँ
MEDICATION

अर्ली (आरम्भिक) साएकोसिस में इस्तेमाल की जानी वाली दवाईयों का सारॅश।

Summary of Medication for early Psychosis

- इलाज अकसर एटिपिकल ऐनटीसाएकोतिक (साएकोसिस विरोधी) दवाईयों से शुरू किया जाता है।
- इसका मकसद लक्ष्णों से राहत पाना और दुबारा बिमार होने से बचाव करना होता है।
- दवाई की कम से कम मात्रा दी जाती है ताकि उसके बुरे असर न हो ।

ऐन्टीसाएकोटिक (साएकोसिस विरोधी) दवाईयाँ
Antipsychotic Medicine

साएकोसिस के इलाज में दवाईयाँ बहुत ही ज़रूरी होती हैं। इनसे साएकौसिस के लक्ष्णों से राहत मिलती है और यह रोग को दुबारा लौटने से रोकने के लिए बहुत ही ज़रूरी हैं। साएकोसिस के ईलाज के लिए बहुत सी दवाईयाँ उपलब्ध हैं। इन दवाईयों को ऐनटीसाएकोटिक Antipsychotic या फिर न्यूरोलैपटिक neuroleptics दवाईयाँ कहते हैं। इन दवाईयों को अकसर दो प्रकारो में बांटा जाता है ः

- टिपिकल ऐन्टीसाएकोटिक दवाईयाँ typical antipsychotic - जिनमे हैलोपैरीडौल, लोकसापीन आदि शामिल हैं।

- एटिपिकल ऐनटीसाएकोटिक दवाईयाँ atypical antipsychotics-जिनमें रिसपैरीडोन Risperidone ओलैनज़ापीन Olanzapine, क्यूटायापीन Quetiapine, ज़िपरासीडोन Ziprasidone और क्लोज़ापीन Clozapine शामिल हैं।

ऐनटीसाएकोटिक (साएकोसिस विरोधी) दवाईयों के बुरे असर
Side effects of Antipsychotics

अकसर पहले एटिपिकल ऐनटीसाएकोटिक atypical antipsychotics दवाईयों का इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि उनके बुरे असर कम होते हैं। इन ऐनटीसाएकोटिक antipsychotics दवाईयों के बुरे असर भी अलग-अलग प्रकार के होते हैं। हालाँकि यह बुरे असर समय के साथ कम हो जाते हैं और कई लोग तो यह बुरे असर बिल्कुल भी अनुभव नहीं करते। एटिपिकल ऐनटीसाएकोटिक दवाईयों के बुरे असरों में कुछ यह हैं ः

- थकान महसूस करना tiredness
- मुँह का सूखना dry mouth
- धुँधला दिखाई देना blurred vision
- वज़न बढ़ना weight gain

आपके ई पी आई मनोविज्ञानिक और क्लीनिशियन आपकी दवाई के बुरे असरों पर नज़र रखते हैं। अगर यह बुरे असर पैदा हों तो दवाई की मात्रा कम करने की या फिर कोई ऐसी दवाई शामिल कर दी जाती है जिससे बुरे असर कम हों या फिर कोई अलग दवाई इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है।

ऐनटीसाएकोटिक (साएकोसिस विरोधी) दवाईयों के लाभ
Response to Anti psychotic Medication

इलाज दवाई की कम मात्रा से शुरू किया जाता है पर समय के साथ यह मात्रा बढ़ा दी जाती है। इससे बुरे असरों का खतरा कम होता है।

दवाई के पूरे असर के लिए हफ्ते और कई बार महीने भी लग सकते हैं।

अगर पहली ऐनटीसाएकोटिक दवाई से तसल्लीबक्श नतीजे न निकले तो फिर दूसरी ऐनटीसाएकोटिक दवाई इस्तेमाल की जाती है। क्लोज़ापीन Clozapine अकसर उन लोगों के लिए ठीक रहती है जिन पर दूसरी ऐनटीसाएकोटिक दवाईयों का असर नहीं होता।

ऐनटीसाएकोटिक (साएकोसिस विरोधी) दवाईयों से इलाज का समय

Duration of Antipsychotic Treatment

साएकोसिस के लक्षण चले जाने के बाद भी दवाई ज़ारी रखने की सलाह दी जाती है। अगर दवाई लेना जल्दी बँद कर दिया जाए तो रोग के वापिस आने का खतरा और भी बढ़ जाता है। अपने ई पी आई मनोरोग विज्ञानिक (EPI Psychiatrist) से बात करें और पता लगाऐं कि आपको दवाई कितनी देर तक लेनी हैं।

और दवाईयाँ

Other Medication

ऐनटीसाएकोटिक दवाईयों के साथ और दवाईयां भी हैं जोकि इस्तेमाल की जा सकती हैं। पर यह दवाईयाँ आपके लक्ष्णों पर निंभर करती हैं।

जैसे कि मूड में समस्या के दौरान ऐनटीडिपरैसैंटस antidepressants या फिर मूड स्टेबलाईज़रस mood stabilizers भी दी जा सकती हैं।

जब भी आपको कोई भी दवाई दी जाए तो याद से पता लगाऐं कि वह किन लक्ष्णों के लिए दी जा रही है और उसके क्या बुरे असर हो सकते हैं।

दवाई लेना याद रखें

Remembering to take Medication

रोज़ याद से दवाई लेने में परेशानी आ सकती है।
कुछ लोगों के लिए दवाई को एक ऐसी जगह रखना जहां वह रोज़ कुछ न कुछ करते हैं फायदेमन्द रहता है जैसे कि अपनी दवाई को टुथब्रश के साथ रखना। कुछ लोगों के लिए दवाईयाँ एक डिब्बे में हफ्ते के दिनों के अनुसार रखना फायदेमन्द हो सकता है।

अगर आपको अपनी दवाई लेने को याद रखने में परेशानी आ रही है तो अपने ई पी आई क्लीनिशियन (EPI Clinician) या मनोरोग विज्ञानिक (Psychiatrist) से बात करे और उनसे दवाई याद से लेने कि कुछ तरीके सीखें जिनसे आपको मदद मिल सकेगी।

11/21/2004